ईशान किशन ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर के 1500 रन पूरे कर लिए

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'दालिंब' में दिखा जितेंद्र कुमार का सबसे डरावना अवतार

Page-05

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

सरकार के भरोसे पर खत्म हुआ आंदोलन

आया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह से तीसरे दौर की बातचीत की। वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें आंदोलन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर सहमति बनने की जानकारी दी गई। इसके बाद सीजेपी ने जंतर-मंतर पर चल रहे अपने प्रदर्शन को समाप्त करने की घोषणा कर दी।सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने बताया कि आंदोलन की तीन प्रमुख मांगें थीं—केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर और कानूनी मामलों की वापसी तथा भविष्य में आंदोलन से जुड़े लोगों के खिलाफ कोई नई कार्रवाई न किए जाने की गारंटी। इसके अलावा, संगठन ने NEET विवाद से प्रभावित उन परिवारों के लिए ₹1 करोड़ के मुआवजे की भी मांग रखी थी, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया।रांका ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ उनकी पहली मांग पूरी हो चुकी है। वहीं, सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने और भविष्य में कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का भी आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार अगले तीन से चार दिनों के भीतर सभी दर्ज एफआईआर की प्रतियां उपलब्ध कराएगी और मंगलवार तक इस संबंध में लिखित गारंटी भी सौंपेगी।सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि एफआईआर वापस लेने का फैसला केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भाजपा शासित और सहयोगी दलों की सरकार वाले राज्यों में दर्ज मामलों पर भी लागू होगा। उन्होंने कहा कि संगठन सरकार की ओर से मिलने वाली लिखित गारंटी का इंतजार करेगा।मुआवजे के मुद्दे पर भी सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाया है। आशुतोष रांका के मुताबिक, सरकार ने भरोसा दिलाया है कि नियमों और कानूनों के तहत प्रभावित परिवारों को सम्मानजनक मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा, सीजेपी ने शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं में सुधार से जुड़ा पांच सूत्रीय मांग पत्र भी सरकार को सौंपा है। इस पर विस्तृत चर्चा के लिए लगभग चार सप्ताह बाद फिर से बैठक होगी।बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार ने प्रतिनिधिमंडल की सभी मांगों पर गंभीरता और सहानुभूति के साथ विचार किया है। उन्होंने बताया कि सरकार एफआईआर की प्रतियां उपलब्ध कराएगी, किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी और मुआवजे के मामले में भी नियमों के अनुसार अधिकतम संभव सहायता दी जाएगी। नड्डा ने यह भी कहा कि शिक्षा और परीक्षा सुधार से जुड़े पांच सूत्रीय प्रस्ताव पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी और प्रतिनिधिमंडल के साथ आगे भी संवाद जारी रखा जाएगा।

सोनम वांगचुक बोले- यह लोकतंत्र की जीत, अब जवाबदेही से सुधार की ओर बढ़ने का समय

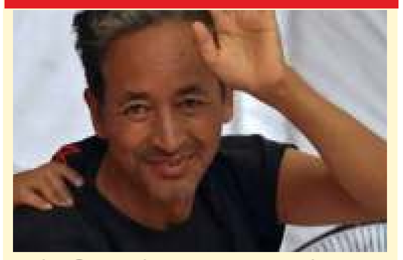

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इसे लोकतंत्र की बड़ी जीत बताते हुए शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह फैसला केवल जवाबदेही तय करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अब देश को शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में ठोस सुधार की दिशा में आगे बढ़ना होगा।धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा था कि उन्होंने यह फैसला छात्रों के भविष्य को प्राथमिकता देने और दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन का फायदा उठाने की कोशिश कर रही राष्ट्र-विरोधी ताकतों को रोकने के उद्देश्य से लिया है। उनका इस्तीफा केंद्र सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के बीच तीसरे दौर की वार्ता से कुछ घंटे पहले आया। सीजेपी पहले ही स्पष्ट कर चुकी थी कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा किसी समझौते का हिस्सा नहीं, बल्कि स्वतंत्र निर्णय होना चाहिए।इस्तीफे की घोषणा के बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और आंदोलनकारियों ने खुशी जताई। सोनम वांगचुक, जो प्रदर्शनकारियों के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे, ने भी इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह जीत किसी एक संगठन या व्यक्ति की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने वाले नागरिकों की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए वांगचुक ने लिखा कि यह "शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत" है। उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी और देश की Gen Z पीढ़ी की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं ने संयम और साहस के साथ अपनी बात रखी। उन्होंने उन नागरिकों का भी आभार जताया, जिन्होंने भय से ऊपर उठकर जवाबदेही की मांग का समर्थन किया।

किरेन रिजिजू का संदेश, 'करोड़ों छात्रों का भविष्य हमारी प्राथमिकता'

Neet पेपर लीक के खिलाफ बीते एक महीने से दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर केंद्र सरकार की ओर से पहली प्रतिक्रिया आई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल की तारीफ की और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि असली लीडरशिप की पहचान दशकों तक किए गए काम से होती है और धर्मेंद्र प्रधान का सफर जन-सेवा और छात्रों के कल्याण के प्रति उनके जीवन भर के समर्पण का सबूत है। किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में धर्मेंद्र प्रधान के साथ काम करते हुए, उन्होंने भारत की शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने और हर फैसले के केंद्र में लाखों युवा छात्रों को रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देखी। इतने महत्वपूर्ण क्षेत्र का नेतृत्व करने के लिए बहुत दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है और धर्मेंद्र प्रधान ने इस जिम्मेदारी को अच्छे से निभाया है। किरेन रिजिजू आगे लिखते हैं, "धर्मेंद्र प्रधान की अटूट सेवा, सुधारों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और एक मजबूत भारत के निर्माण में आपके योगदान के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि आप इसी समर्पण और ईमानदारी के साथ देश की सेवा करते रहेंगे।" केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफ़ा सौंप दिया। यह जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 3 मई को हुई परीक्षा में गड़बड़ी सामने आते ही तुरंत कड़े कदम उठाए गए थे, जैसे CBI जांच, दोबारा परीक्षा और अगले साल से CBT मोड में परीक्षा कराना।

अभिजीत दिपके बोले-

"झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए" ,लड़ाई अभी खत्म नहीं

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दिपके ने इसे छात्र आंदोलन की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह इस्तीफा साबित करता है कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण और संगठित आंदोलन के जरिए सरकार को जवाबदेह बनाया जा सकता है।अभिजीत दिपके ने कहा, "अगर लोग डरें नहीं और सरकार के सामने झुकें नहीं, तो किसी से भी जवाबदेही तय कराई जा सकती है। यह लोकतंत्र की ताकत है।" उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा आंदोलन की पहली सफलता है, लेकिन संगठन की दो प्रमुख मांगें अभी भी बाकी हैं और उन्हें पूरा कराए बिना आंदोलन पूरी तरह समाप्त नहीं माना जाएगा।उन्होंने पहली मांग रखते हुए कहा कि NEET विवाद के बाद जिन छात्रों ने कथित रूप से आत्महत्या की, उनके परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए। दिपके का कहना था कि प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता के साथ न्याय भी मिलना चाहिए।दूसरी मांग पर उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को दिल्ली में हुए

छात्र प्रदर्शन के दौरान जिन पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों के साथ कथित तौर पर बल प्रयोग किया, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों ने अनुचित व्यवहार किया और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। समर्थकों को संबोधित करते हुए दिपके ने कहा, "झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।" उन्होंने आंदोलन में शामिल छात्रों और युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी एकजुटता और दृढ़ता की वजह से यह परिणाम संभव हो पाया।गौरतलब है कि NEET-UG प्रश्नपत्र लीक विवाद को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर सहित देश के कई हिस्सों में पिछले कई दिनों से छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। इसी बीच शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेज दिया।सोशल मीडिया मंच X पर इस्तीफे की घोषणा करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले कुछ दिनों की घटनाओं ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से बेहद दुखी किया है। उन्होंने लिखा कि उन्होंने शुरुआत से ही इस मामले की जिम्मेदारी स्वीकार की और कभी उससे पीछे नहीं हटे।

पाकिस्तान-संचालित सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान से चल रहे कुछ ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान की है जो NEET पेपर लीक के विरोध-प्रदर्शनों के बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, DCP सेंट्रल रोहित राजबीर सिंह ने कहा कि अब तक ऐसे 400 से ज़्यादा सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान की गई है और उन्हें ब्लॉक किया गया है, क्योंकि वे विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ा AI-जनरेटेड कंटेंट, डीपफेक वीडियो, एडिट की गई तस्वीरें और दूसरी गलत जानकारी फैला रहे थे। ये सोशल मीडिया हैंडल 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एक्टिव पाए गए थे। दिल्ली पुलिस ने पब्लिक एग्ज़ाम के आयोजन में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक की जांच के लिए एक स्पेशल टास्क फोर्स (STF) भी बनाई है। STF को क्राइम ब्रांच के तहत बनाया गया है। DCP सेंट्रल ने बताया कि इस टीम की अगुवाई DCP लेवल के अधिकारी करेंगे और स्पेशल CP (क्राइम) इसकी निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी जांच में यह भी पता चला है कि पाकिस्तान से चलाए जा रहे कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स गलत जानकारी फैला रहे हैं। दिल्ली पुलिस संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर ऐसे और अकाउंट्स की पहचान करने के लिए लगातार काम कर रही है। अब तक ऐसे 400 से ज़्यादा हैंडल्स की पहचान की गई है और उन्हें ब्लॉक किया गया है, क्योंकि वे विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ी AI-जनरेटेड सामग्री, डीपफेक वीडियो, एडिट की गई तस्वीरें और दूसरी गलत जानकारी फैला रहे थे।

NEET विवाद पर बिहार बंद हिंसक, कई जिलों में पथराव-झड़प; पुलिस ने संभाला मोर्चा

NEET-UG पेपर लीक विवाद को लेकर बुलाए गए बिहार बंद के दौरान शनिवार को राज्य के कई जिलों में हालात तनावपूर्ण हो गए। पटना, छपरा, सिवान और औरंगाबाद समेत कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं। बढ़ते तनाव को देखते हुए प्रशासन ने कई इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नियंत्रण पाने की कोशिश की।छपरा में छात्र प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ हालात का जायजा लिया और प्रदर्शनकारियों को हटाकर स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि, इलाके में कुछ समय तक तनाव बना रहा।राजधानी पटना में भी विरोध प्रदर्शन के दौरान हालात बिगड़ गए। गांधी मैदान में छात्रों के समर्थन में पहुंचे जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव प्रदर्शन में शामिल हुए। बाद में पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। हिरासत के दौरान तेज प्रताप यादव ने कहा कि छात्रों की मांगें पूरी तरह जायज हैं और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह छात्रों और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं।पटना में प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई। हालात बेकाबू होने पर पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने एक ट्रैफिक पुलिस बूथ में तोड़फोड़ की और कई पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाया। कुछ जगहों पर पुलिस की गाड़ियों को पलटने की भी खबर सामने आई।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

दिल्ली छात्र आंदोलन पर संयुक्त राष्ट्र की नजर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार पर दिया बड़ा बयान

NEET-UG 2026 विवाद और छात्र आंदोलन पर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा शुरू हो गई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना लोगों का लोकतांत्रिक अधिकार है और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकारों की जिम्मेदारी है। UN की इस टिप्पणी के बाद छात्र आंदोलन और उससे जुड़े घटनाक्रम पर वैश्विक नजरें टिक गई हैं।

NEET-UG 2026 पेपर लीक विवाद और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में जारी छात्र आंदोलन अब अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच गया है। देशभर के हजारों छात्र इस आंदोलन से जुड़ चुके हैं और पिछले कुछ दिनों से राजधानी में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र (UN) की ओर से आई प्रतिक्रिया ने इस पूरे घटनाक्रम को वैश्विक चर्चा का विषय बना दिया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने किसी राजनीतिक पक्ष या आंदोलन का समर्थन नहीं किया है, लेकिन उसने शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार को लोकतंत्र का मूल सिद्धांत बताते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है।संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान दिल्ली में चल रहे छात्र आंदोलन पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहते हैं, उन्हें बिना किसी डर, गिरफ्तारी या हिंसा की आशंका के ऐसा करने की अनुमति मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध किसी भी लोकतांत्रिक समाज का अभिन्न हिस्सा है और नागरिकों को सुरक्षित माहौल में अपनी आवाज उठाने का अधिकार मिलना चाहिए।दुजारिक ने यह भी कहा कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों में सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के अधिकारों की रक्षा करें। उन्होंने किसी विशेष घटना या राजनीतिक विवाद पर टिप्पणी करने से बचते हुए केवल लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व पर जोर दिया।दिल्ली में यह आंदोलन NEET-UG 2026 परीक्षा में कथित अनियमितताओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर शुरू हुआ था। 20 जुलाई को आयोजित 'चलो संसद' मार्च में बड़ी संख्या में छात्र जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़े। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बैरिकेड लगाकर मार्च को रोकने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तनाव बढ़ गया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया, जिसके बाद यह मामला और अधिक राजनीतिक हो गया।दिल्ली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान करीब 130 पुलिसकर्मी और 65 प्रदर्शनकारी घायल हुए। पुलिस ने अब तक इस मामले में 15 एफआईआर दर्ज की हैं। अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 3,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। पुलिस का यह भी दावा है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने पत्थरबाजी कर माहौल को हिंसक बनाने की कोशिश की, जिसके कारण बल प्रयोग करना पड़ा।संयुक्त राष्ट्र की इस टिप्पणी के बाद छात्र आंदोलन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है। हालांकि UN ने किसी पक्ष का समर्थन नहीं किया, लेकिन उसका यह स्पष्ट संदेश रहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित प्रशासन की जिम्मेदारी है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि आंदोलन आगे किस दिशा में बढ़ता है और सरकार इस पूरे घटनाक्रम पर क्या कदम उठाती है।

युक्त पुलिस जांच चौकी पर हुए आतंकी हमले में 12 सैनिकों सहित 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत

पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक संयुक्त पुलिस जांच चौकी पर हुए भीषण आतंकी हमले में 12 सैनिकों समेत कम से कम 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार टांक जिले में तड़के यह हमला प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों द्वारा किया गया। मृतकों में दो पुलिसकर्मी और वन विभाग का एक कर्मचारी भी शामिल है। आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि आतंकियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर चौकी में घुसने की कोशिश की, जिसका सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इसमें बताया गया कि भागते समय आतंकवादियों ने बारूद से भरी एक गाड़ी चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दी। इस जोरदार विस्फोट से 15 कर्मियों की मौत हो गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने भाग रहे आतंकवादियों का पीछा किया और 12 को मार गिराया। आईएसपीआर ने बताया कि इलाके में बचे हुए आतंकियों का सफाया करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशन खुले, पुलिस की अपील- 'सभी प्रदर्शनकारी अपने घर जाएं'

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने धर्मेंद्र प्रधान की तारीफ की

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने धर्मेंद्र प्रधान की तारीफ करते हुए कहा कि, व्यापक हितों को प्राथमिकता देते हुए उनका पद छोड़ने का निर्णय सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के उच्चतम मानदंडों को दर्शाता है। पार्टी इस निर्णय में धर्मेंद्र प्रधान के साथ मजबूती से खड़ी है। मैं उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भी में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश की शिक्षा व्यवस्था को फिर से संवारने की दिशा में बहुत बड़ा कदम बताया है। राहुल गांधी ने देशभर के छात्रों और युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने लोकतंत्र, संविधान और अपने भविष्य की रक्षा के लिए संघर्ष किया। राहुल गांधी ने छात्रों से कहा कि, अब भी दो मांगें बाकी हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छात्रों से माफी मांगने और आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। राहुल गांधी ने देश के युवाओं से कहा कि अब समाज के हर वर्ग को अपने सम्मान के लिए संवैधानिक तरीके से खड़ा होना चाहिए। धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद कहा कि, 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली। परंतु इस दौरान भी कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे मन अत्यंत व्यथित हुआ। मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूं तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूं। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं।

DHC-3 Otter सीप्लेन पानी पर उतरने की कोशिश में चट्टानों से टकराकर

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में कनाडा सीमा के पास स्थित एक दूरदराज़ द्वीप के पास गुरुवार शाम एक सीप्लेन यानी पानी पर उतरने वाला विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर चट्टानों से टकरा गया। हादसे के बाद विमान में आग लग गई, लेकिन आसपास मौजूद नावों और अमेरिकी तटरक्षक बल की तेज कार्रवाई की बदौलत विमान में सवार सभी 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सैन जुआन काउंटी शेरिफ ऑफिस के मुताबिक, हादसे में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। कई यात्रियों के सिर में चोट लगी है और हड्डियां भी टूटी हैं। हालांकि शुक्रवार तक कम से कम 5 यात्रियों को अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई थी।यह दुर्घटना गुरुवार शाम करीब 5:20 बजे हुई। विमान में एक पायलट और 10 यात्री सवार थे। सीप्लेन वॉशिंगटन के निर्जन सूसिया आइलैंड स्टेट पार्क के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। यह द्वीप सैन जुआन द्वीप समूह के उत्तरी हिस्से में स्थित है, जो गर्मियों में फेरी सर्विस, व्हेल देखने और ट्रेकिंग के लिए लोकप्रिय पर्यटन स्थल माना जाता है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान पानी के ऊपर बहुत नीचे उड़ रहा था। अचानक वह एक ओर झुक गया और पहले केवल एक फ्लोट के सहारे पानी को छुआ। इसके बाद विमान थोड़ी देर के लिए फिर हवा में उछला, लेकिन नियंत्रण खोने के बाद जमीन से टकरा गया।प्रत्यक्षदर्शी डेव ईस्टमैन उस समय अपनी छोटी नाव में समुद्र में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि विमान उनकी नाव से टकरा जाएगा, लेकिन बाद में वह द्वीप की ओर नीचे उड़ता दिखाई दिया। इलाके में 6 से 7 नावें मौजूद थीं, जिनमें एल्यूमिनियम फिशिंग बोट भी शामिल थीं। सभी लोग तुरंत मदद के लिए मौके की ओर दौड़ पड़े। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान के अंदर से यात्री बाहर निकल रहे हैं, जबकि विमान से काला धुआं उठ रहा है और उसका ढांचा आग की लपटों में घिरा हुआ है। विमान का अगला हिस्सा एक बड़ी चट्टान से टकराकर आंशिक रूप से पानी में डूब गया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा मजाक किया कि वहां मौजूद लोग कुछ देर के लिए चौंक गए

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन डिनर में अपने संभावित तीसरे राष्ट्रपति कार्यकाल को लेकर ऐसा मजाक किया कि वहां मौजूद लोग कुछ देर के लिए चौंक गए। हालांकि, इसके तुरंत बाद उन्होंने खुद ही साफ कर दिया कि वह सिर्फ मजाक कर रहे थे। दरअसल, व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर को इस साल दोबारा आयोजित किया गया था। WHCA कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि जैसे उनका दूसरा राष्ट्रपति कार्यकाल पहले से बेहतर है, उसी तरह यह दोबारा आयोजित डिनर भी पहले से बेहतर है।ट्रंप ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में आकर मुझे खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि मेरी राष्ट्रपति पद की तरह दूसरी बार सब कुछ और बेहतर है, और तीसरी बार तो इससे भी बेहतर होगी। ट्रंप के इतना कहते ही कार्यक्रम में मौजूद लोग चौंक गए, क्योंकि अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति दो बार से ज्यादा राष्ट्रपति नहीं चुना जा सकता। इसके कुछ ही पल बाद ट्रंप मुस्कुराते हुए बोले,'मैं सिर्फ मजाक कर रहा हूं।' अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन के तहत कोई भी व्यक्ति 2 बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं चुना जा सकता। यह संशोधन 1951 में लागू किया गया था। यह नियम राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रुजवेल्ट के लगातार 4 बार राष्ट्रपति चुने जाने के बाद बनाया गया था। डोनाल्ड ट्रंप इस समय अपने दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल में हैं। हालांकि हाल के महीनों में वह कई बार सार्वजनिक मंचों से 2 कार्यकाल की सीमा से आगे भी पद पर बने रहने को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी कर चुके हैं। हालांकि ऐसा करने के लिए अमेरिकी संविधान में संशोधन करना होगा।अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने एक और मजाक किया। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर का नाम बदलकर 'ट्रंप व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर' रखा जा सकता है। ट्रंप ने दावा किया कि पैरामाउंट स्काईडांस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड एलिसन ने उन्हें ऐसा सुझाव दिया था। ट्रंप ने हंसते हुए कहा,'उन्होंने मुझसे कहा और मुझे यह विचार बहुत पसंद आया। अब हम इसका नाम बदल देंगे।' बता दें इस साल व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर अप्रैल में होना था, लेकिन एक बड़ी सुरक्षा घटना के बाद इसे रद्द कर दिया गया था।

संपादक की कलम से

किसी भी लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा पीढ़ी होती है। जब यही युवा अपने भविष्य, शिक्षा और अधिकारों को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तो यह केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं रह जाता, बल्कि व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का अवसर बन जाता है। NEET-UG 2026 विवाद के बाद शुरू हुआ छात्र आंदोलन अब केवल एक परीक्षा या एक मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और लोकतांत्रिक अधिकारों पर व्यापक बहस का विषय बन चुका है।इस पूरे घटनाक्रम पर संयुक्त राष्ट्र की टिप्पणी ने भी एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। UN ने किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन नहीं किया, बल्कि केवल इतना कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है और सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों को बिना भय के अपनी बात रखने का अवसर दें। यह सिद्धांत केवल भारत ही नहीं, बल्कि हर लोकतांत्रिक देश पर समान रूप से लागू होता है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि असहमति को सुना जाए और संवाद के माध्यम से समाधान खोजा जाए।दूसरी ओर, सरकार का भी यह दायित्व है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखे और यह सुनिश्चित करे कि कोई भी प्रदर्शन हिंसक न बने। यदि किसी आंदोलन में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचता है, हिंसा होती है या सुरक्षा बलों पर हमला किया जाता है, तो प्रशासन का हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है। इसलिए हर घटना की निष्पक्ष जांच जरूरी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हिंसा कैसे हुई, किसकी जिम्मेदारी थी और क्या बल प्रयोग परिस्थितियों के अनुरूप था। जवाबदेही केवल प्रदर्शनकारियों की ही नहीं, बल्कि प्रशासन की भी तय होनी चाहिए।इस पूरे विवाद ने एक और गंभीर सवाल खड़ा किया है—क्या हमारी परीक्षा प्रणाली इतनी मजबूत है कि छात्र उस पर पूरी तरह भरोसा कर सकें? पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों ने लाखों युवाओं का विश्वास कमजोर किया है। यह केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं, बल्कि देश की मानव संसाधन क्षमता से जुड़ा मुद्दा है। परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा और समयबद्ध कार्रवाई अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है।राजनीतिक दलों के लिए भी यह समय संवेदनशीलता दिखाने का है। छात्रों के मुद्दों को केवल राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय उनके भविष्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। सरकार और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है कि वे समाधान आधारित राजनीति करें। संसद और सड़क दोनों लोकतंत्र के महत्वपूर्ण मंच हैं, लेकिन स्थायी समाधान संवाद, सुधार और जवाबदेही से ही निकलते हैं।आखिरकार, किसी भी लोकतंत्र की असली पहचान इस बात से होती है कि वह अपने युवाओं की आवाज़ को कितना सम्मान देता है। छात्रों का भरोसा जीतना केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र की जिम्मेदारी है। यदि इस आंदोलन से शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और विश्वसनीय बनाने की दिशा में ठोस कदम उठते हैं, तो यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक परिणाम होगा।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राहुल का हमला पीएम मोदी से मांगी छात्रों से माफी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे छात्रों के संघर्ष की बड़ी जीत बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से माफी मांगने और आंदोलन के दौरान हुई कथित हिंसा के दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने इसे शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की शुरुआत बताते हुए कहा कि अब लड़ाई पूरी व्यवस्था में सुधार की है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश की शिक्षा व्यवस्था को फिर से संवारने की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। राहुल गांधी ने देशभर के छात्रों और युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने लोकतंत्र, संविधान और अपने भविष्य की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि अभी दो मांगें बाकी हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छात्रों से माफी मांगने और आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राहुल गांधी ने वीडियो जारी कर इसे देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में पहला लेकिन बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि देशभर के छात्रों ने अपने अधिकारों, लोकतंत्र, संविधान और भविष्य की रक्षा के लिए जिस तरह संघर्ष किया, वह सराहनीय है। राहुल गांधी ने आंदोलन में शामिल सभी छात्रों और युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि पूरे देश को उन पर गर्व है। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों की दो प्रमुख मांगें अभी भी पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने मांग की कि आंदोलन के दौरान छात्रों पर हुए कथित बल प्रयोग के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों और भारत के भविष्य का सम्मान करते हुए उनसे माफी मांगें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने छात्रों पर हमला किया, उनके खिलाफ बल प्रयोग किया और कार्रवाई की, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। राहुल गांधी के मुताबिक, 20 जुलाई को चलो संसद मार्च के दौरान कार्रवाई की योजना बनाने और उसे लागू करने वाले लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों की यह जीत समाज के दूसरे वर्गों के लिए भी एक संदेश है। उन्होंने किसानों, मजदूरों, गरीबों और उन सभी लोगों से संवैधानिक तरीके से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की अपील की जो खुद को सरकार की नीतियों से प्रभावित मानते हैं। उन्होंने अपने संदेश के अंत में कहा, डरो मत- अपने अधिकारों और सम्मान के लिए लोकतांत्रिक तरीके से खड़ा होना ही सबसे बड़ा साहस है। राहुल गांधी पिछले कई दिनों से छात्रों के मुद्दे पर सरकार को घेरते रहे हैं। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर दोनों सदनों में विरोध दर्ज कराया था। 20 जुलाई को चलो संसद मार्च के अगले दिन राहुल गांधी ने कांग्रेस सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना भी दिया था। इस दौरान उन्होंने छात्रों पर कथित कार्रवाई के लिए जवाबदेही तय करने और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने इसे देश के युवाओं, छात्रों और बेरोजगारों की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान केवल एक प्रतीक थे जबकि असली लड़ाई उस व्यवस्था के खिलाफ है जो अब भी मौजूद है। पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति, पेपर लीक की घटनाओं और छात्रों के आंदोलनों के दौरान लाठीचार्ज, पैलेट गन व आंसू गैस के इस्तेमाल में उसी सोच की झलक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को दुश्मन की तरह देखना गलत मानसिकता है और इसी व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष अभी जारी रहेगा।

प्रियंका गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े का स्वागत किया

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े का स्वागत किया। उन्होंने इसे देश के युवाओं की जीत बताया और पेपर लीक व शिक्षा सुधारों का मुद्दा लगातार उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ़ की। वायनाड में पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस परीक्षा में गड़बड़ियों के ख़िलाफ़ विरोध कर रहे छात्रों के साथ मज़बूती से खड़ी रही और शिक्षा सुधारों के लिए देशव्यापी आंदोलन खड़ा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में हमने उन्हें हर संभव तरीके से मज़बूती से समर्थन देने की पूरी कोशिश की है। राहुल गांधी लंबे समय से पेपर लीक और परीक्षा सुधारों के मुद्दे पर बात करते रहे हैं। मुझे लगता है कि दो-तीन साल से ज़्यादा समय हो गया है जब से वह लगातार यह मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के अभियान ने

कांग्रेस, NSUI और यूथ कांग्रेस को देश भर में छात्रों के लिए समर्थन जुटाने के लिए प्रेरित किया। प्रियंका ने कहा कि उन्होंने पार्टी, NSUI और यूथ कांग्रेस के हम बाकी लोगों को न सिर्फ़ छात्रों का समर्थन करने के लिए, बल्कि छात्रों के अधिकारों और हमारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए पूरे देश में आंदोलन खड़ा करने के लिए भी प्रेरित किया। प्रधान के इस्तीफ़े को सिर्फ़ शुरुआत बताते हुए प्रियंका ने माना कि यह ख़बर सुनकर वह भावुक हो गई थीं। मैं सचमुच बहुत खुश हूँ। यह खबर सुनकर मैं थोड़ा भावुक हो गया क्योंकि पिछले 10-12 सालों में मैंने कई बार खुद से पूछा है: हमारे युवा कब जागेंगे? कांग्रेस नेता ने BJP और RSS पर देश की शिक्षा व्यवस्था को कमज़ोर करने और विरोध करने वालों के ख़िलाफ़ ज़बरदस्ती करने का आरोप लगाया। RSS पूरी शिक्षा व्यवस्था में अपनी पैठ बना रहा है... हमारे पूर्वजों की विचारधारा को कमज़ोर किया जा रहा है। युवाओं और विरोध में आवाज़ उठाने वाले किसी भी व्यक्ति के ख़िलाफ़ ज़बरदस्ती का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस्तीफ़ा देशव्यापी छात्र आंदोलन की मज़बूती को दर्शाता है।

राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 26 जुलाई को मुंबई में 'तिरंगा मार्च' में शामिल होने की अपील की

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 26 जुलाई को मुंबई में 'तिरंगा मार्च' में शामिल होने की अपील की है। इस मार्च का मकसद NEET परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ़ विरोध कर रहे छात्रों का समर्थन करना और सरकार के

रवैये की आलोचना करना है। X (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में, ठाकरे ने इस मार्च को छात्रों और उनके परिवारों के साथ एकजुटता दिखाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन, आंदोलन को दबाने की सरकारी कोशिशों के खिलाफ था। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह रैली पूरी तरह से गैर-राजनीतिक है और लोगों से अपील की कि वे पार्टी के झंडे न लाएं और न ही किसी राजनीतिक नेता—खुद उनके या शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे—के समर्थन में नारे लगाएं। उन्होंने कहा कियह एक 'तिरंगा मार्च' है। यह पूरी तरह से गैर-राजनीतिक है। यहां न तो किसी पार्टी का झंडा होगा और न ही किसी पार्टी के नेताओं के समर्थन में कोई नारा लगाया जाएगा। इसमें सिर्फ़ सरकार की आलोचना होगी और देश भर के छात्रों और युवाओं के समर्थन में नारे लगाए जाएंगे। ठाकरे ने आगे कहा कि भले ही उद्धव और मैं इस मार्च के संयोजक हैं, लेकिन हमारे नाम पर भी कोई नारा नहीं लगाया जाना चाहिए। हमें यह ध्यान रखना होगा कि यह छात्रों का मार्च है। उन्होंने कहा कि इस मार्च का मकसद देश भर के छात्रों और उनके परिवारों को यह भरोसा दिलाना था कि वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह रैली उन छात्रों के लिए है जो सरकार के सामने झुके बिना मजबूती से डटे हुए हैं, उनके परिवारों के लिए है, और उन लोगों को यह दिखाने के लिए है जो विरोध जताने के लिए दिल्ली या मुंबई नहीं जा सकते कि पूरा महाराष्ट्र राज्य उनके साथ खड़ा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे छात्रों और उनके माता-पिता को मार्च में लाएं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जितना हो सके उतने छात्रों और उनके माता-पिता को साथ लाएं, रैली के दौरान उनका ध्यान रखें और पक्का करें कि वे सुरक्षित घर लौटें। गड़बड़ी फैलाने वालों के ख़िलाफ़ चेतावनी देते हुए ठाकरे ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे ऐसे लोगों को पुलिस के हवाले कर दें, लेकिन अगर पुलिस वाले मौजूद न हों तो उनसे खुद निपटने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे लोग वहाँ आते हैं और कोई बदमाशी करते हैं, गलत नारे लगाकर माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं, या वहाँ आए माता-पिता, खासकर महिलाओं और लड़कियों को परेशान करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें पास मौजूद पुलिस वालों के हवाले कर दें... लेकिन जहाँ पुलिस मौजूद नहीं है, वहाँ ऐसे उपद्रवियों की उचित 'खातिरदारी' करने का अनुभव और ताकत, दोनों ही हमारे पास हैं।

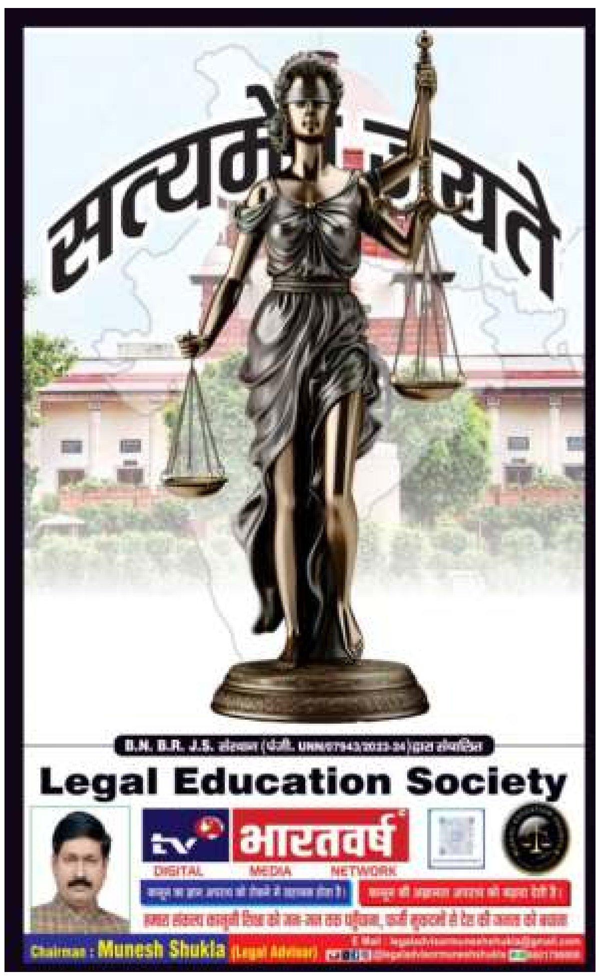

पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) में बड़ा बदलाव करने जा रही

देशभर में पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर हजारों स्टूडेंट्स सड़कों पर हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने जेईई, नीट, यूजीसी नेट और सीयूईटी यूजी जैसी बड़ी परीक्षाएं आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) बड़ा बदलाव किया है। एनटीए के 47 अधिकारियों को हटाया गया है और नई भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं। नीट एग्जाम पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) में बड़ा बदलाव करने जा रही है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, रीस्ट्रक्चरिंग (पुनर्गठन) प्रक्रिया के तहत एजेंसी से करीब 47 कर्मचारियों को पहले ही हटाया जा चुका है। इनमें से कुछ पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी हो सकती है, क्योंकि सरकार एजेंसी के अंदर जवाबदेही को सख्त करने की दिशा में कदम उठा रही है। वहीं दूसरी ओर कई अधिकारी और यंग प्रोफेशनल पदों पर भर्ती प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। NTA, NEET UG, JEE Main और CUET समेत लगभग 15 से 20 राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं आयोजित करती है, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं में से एक बन गई है। प्रस्तावित बदलावों का मकसद सिर्फ कुछ कर्मचारियों को इधर-उधर करना नहीं, बल्कि एजेंसी का बुनियादी तौर पर पुनर्गठन करना है। इसी के तहत नए पदों पर आवेदन भी मांगे गए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने सीनियर प्रोफेशनल्स की भर्ती की घोषणा की है और UPSC प्रतिभा सेतु पोर्टल के जरिए यंग प्रोफेशनल्स से आवेदन मांगे हैं। इस कदम का मकसद एजेंसी की परीक्षा प्रणाली को मजबूत करना है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, ये नियुक्तियां प्रो. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञों की उच्च-स्तरीय समिति द्वारा सुझाए गए सुधारों को लागू करने की दिशा में पहला बड़ा कदम हैं। इस भर्ती में जनरल मैनेजर के चार पद और यंग प्रोफेशनल के 16 पद शामिल हैं, जो एजेंसी के अलग-अलग कामकाज में मदद करेंगे। NTA ने शुरुआती तीन साल की अवधि के लिए कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर जनरल मैनेजर के चार पदों की घोषणा की है। इन सीनियर-लेवल पदों का मकसद एजेंसी के एकेडमिक, ऑपरेशनल, टेक्नोलॉजिकल और विजिलेंस (सतर्कता) कार्यों में सुधार करना है।

NTA ने पहली बार UPSC प्रतिभा सेतु पोर्टल के जरिए 16 यंग प्रोफेशनल्स से आवेदन मांगे हैं। यह मौका उन उम्मीदवारों के लिए है जो सिविल सेवा परीक्षा में शामिल हुए थे और UPSC 'प्रतिभा सेतु' प्लेटफॉर्म पर लिस्टेड हैं। इनमें खाली पदों की डिटेल्स

एकेडमिक रिसर्च: 12 पद

लीगल रिसर्च: 2 पद

फाइनेंस और अकाउंट्स: 2 पद

कुल वैकेंसी - 16 बता दें कि चुने गए उम्मीदवारों को एकमुश्त मासिक वेतन मिलेगा और उन्हें शुरू में 24 महीनों के लिए रखा जाएगा, जिसे उनकी परफॉर्मेंस के आधार पर 36 महीनों तक बढ़ाया जा सकता है। एजेंसी ने विषय विशेषज्ञों और अनुवादकों को नई सूची में शामिल करने के लिए 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (रुचि की अभिव्यक्ति) भी जारी किया है। NTA का लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बेहतर बनाते हुए अपने शैक्षणिक मानकों, परीक्षा प्रक्रियाओं, साइबर सुरक्षा और पारदर्शिता को मजबूत करना है।

इसके तहत भारतीय छात्रों को 50% ट्यूशन फीस माफी दी जाएगी

अगर आप ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई करना चाहते हैं और आपको स्कॉलरशिप भी चाहिए, तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। ऑस्ट्रेलिया की ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी ने भारतीय छात्रों के लिए बड़ा ऐलान किया है। यूनिवर्सिटी की तरफ से 'वाइस चांसलर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप' का ऐलान किया गया है। इसके तहत भारतीय छात्रों को 50% ट्यूशन फीस माफी दी जाएगी। आइए अब इस स्कॉलरशिप के बारे में डिटेल से जान लेते हैं। 'वाइस चांसलर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप' उन विदेशी छात्रों के लिए है, जो असाधारण रूप से टैलेंटेड है। ये स्कॉलरशिप उन छात्रों के लिए एक बेहतरीन अवसर है जो अपनी फाइनेंशियल टेंशन को कम करते हुए ऑस्ट्रेलिया में अंडरग्रेजुएट या पोस्टग्रेजुएट की पढ़ाई पूरी करना चाहते हैं। स्कॉलरशिप के लिए चुने जाने वाले स्टूडेंट्स को उनकी पूरी डिग्री के दौरान ट्यूशन फीस में 50% की भारी छूट दी जाएगी। ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी की 'वाइस चांसलर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप' के लिए अप्लाई करने का प्रोसेस काफी आसान है। सबसे पहले स्टूडेंट को यूनिवर्सिटी में अपने पसंद के अंडरग्रेजुएट या पोस्टग्रेजुएट कोर्स के लिए अप्लाई करना होगा। जैसे ही आपको यूनिवर्सिटी से 'लेटर ऑफ ऑफर' मिल जाए, अपने ट्राइमेस्टर की निर्धारित अंतिम तिथि से पहले स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करें।

बिहार के लाल ने CWG 2026 में दिलाया भारत को पहला मेडल

ईशान किशन ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर के 1500 रन पूरे कर लिए

भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में ईशान किशन ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर के 1500 रन पूरे कर लिए हैं। वह ऐसा करने वाले केएल राहुल और एमएस धोनी के बाद भारत के तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे मुकाबले में जैसे ही उन्होंने 2 रन पूरे किए, वह टी20 इंटरनेशनल में 1,500 रन पूरा करने वाले भारत के 11वें बल्लेबाज बन गए। इस मुकाबले से पहले ईशान किशन के नाम 1498 रन थे। जैसे ही उन्होंने रिचर्ड नगारावा की गेंद पर दो रन लिए, वह टी20 इंटरनेशनल में 1,500 रन बनाने वाले भारत के तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए। भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल हैं। उन्होंने 68 पारियों में 2265 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 139 का रहा है। एमएस धोनी ने 85 मैचों की 85 पारियों में 1617 रन बनाए हैं। अब ईशान किशन के भी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1500 से ज्यादा रन हो गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 56 पारियों में हासिल की है। इस सूची में संजू सैमसन चौथे स्थान पर हैं। वह ईशान किशन से ज्यादा पीछे नहीं हैं। संजू ने 58 पारियों में 1432 रन बनाए हैं और वह जल्द ही ईशान किशन को चुनौती दे सकते हैं। अगर भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें, तो रोहित शर्मा 151 पारियों में 4231 रन के साथ पहले स्थान पर हैं। विराट कोहली 4128 रन के साथ दूसरे, सूर्यकुमार यादव 3072 रन के साथ तीसरे, हार्दिक पांड्या 2288 रन के साथ चौथे और केएल राहुल 2265 रन के साथ पांचवें स्थान पर हैं। इस मुकाबले में ईशान ने इस बड़ी उपलब्धि को हासिल करने के बाद शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके टी20 करियर का 12वां अर्धशतक था। उन्होंने शिखर धवन और अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 11-11 अर्धशतक हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में वैभव सूर्यवंशी 9 गेंद पर 20 रन बनाकर आउट हो गए

भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेले जा रहे दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला एक बार फिर आक्रामक अंदाज में बरसा लेकिन वह अपनी इस तूफानी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारवा के एक ही ओवर में छक्के और चौकों की बरसात करने वाले सूर्यवंशी अंत में अपनी अपना विकेट गंवा बैठे।पहले टी20 में महज 19 गेंदों पर ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़कर सुर्खियों में आए वैभव सूर्यवंशी से इस मैच में भी वैसी ही आतिशी पारी की उम्मीद थी। मैच के तीसरे ओवर में नगारवा गेंदबाजी करने आए तो सूर्यवंशी ने उन पर हमला बोल दिया। उन्होंने ओवर की तीसरी गेंद पर शानदार छक्का जड़ा और फिर अगली दो गेंदों पर लगातार दो चौके लगाकर गेंदबाज के पसीने छुड़ा दिए। ऐसा लग रहा था कि वह एक बार फिर जिम्बाब्वे के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ने के मूड में हैं।हालांकि, रिचर्ड नगारवा ने दबाव में बेहतरीन वापसी की और अपनी समझदारी से सूर्यवंशी को जाल में फंसा लिया। लगातार बाउंड्री खाने के बाद नगारवा ने ओवर की आखिरी गेंद की लेंथ थोड़ी छोटी रखी। सूर्यवंशी ने क्रीज से बाहर निकलकर गेंद को पुल करने का प्रयास किया लेकिन गेंद उनके बल्ले के ऊपरी हिस्से पर लगकर मिड-ऑन की दिशा में हवा में ऊंची उठ गई। वहां मौजूद फील्डर ब्लेसिंग मुजरबानी ने पीछे की ओर जाते हुए एक आसान सा कैच लपक लिया। इस तरह वैभव सूर्यवंशी 9 गेंदों में 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

मीराबाई चानू राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय भारोत्तोलन दल की करेंगी अगुआई

ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय भारोत्तोलन दल की अगुआई करेंगी जहां डोपिंग मामलों से प्रभावित तैयारियों के बावजूद भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में अपने दबदबे को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। प्रतियोगिता से पहले भारतीय भारोत्तोलन दल को बड़ा झटका लगा, जब डोपिंग उल्लंघनों के कारण खिलाड़ियों की संख्या 16 से घटाकर 11 कर दी गयी। इसमें नवीनतम मामला 96 किलोग्राम वर्ग के दिलबाग सिंह का है, जिन्हें इसी सप्ताह टीम से बाहर कर दिया गया। इससे भारतीय दल की तैयारियों पर असर पड़ा है। इन बाधाओं के बावजूद राष्ट्रमंडल खेलों की भारोत्तोलन स्पर्धा में भारत अब भी मजबूत दावेदार माना जा रहा है। इसका एक प्रमुख कारण यह भी है कि चीन और उत्तर कोरिया जैसे इस खेल में मजबूत माने जाने वाले देश इस प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं हैं। भारतीय भारोत्तोलकों ने 1990, 2002, 2018 और 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले देश का गौरव हासिल किया था। कुल 133 पदकों (46 स्वर्ण) के साथ भारत इस स्पर्धा के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भारत ने भारोत्तोलन में तीन स्वर्ण और तीन रजत सहित कुल 10 पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था। ऐसे में ग्लास्गो में भी टीम से एक और प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। भारतीय दल के सभी 11 खिलाड़ियों में पदक जीतने की क्षमता रखते हैं लेकिन स्वर्ण पदक की सबसे प्रबल उम्मीदें कुछ खिलाड़ियों से ही हैं। इनमें सबसे बड़ा नाम मीराबाई चानू का है, जिनके अपने राष्ट्रमंडल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने की पूरी संभावना है। पूर्व विश्व चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ कुल भार 205 किलोग्राम (स्नैच 89 किग्रा और क्लीन एवं जर्क 116 किग्रा) है।

पैरों के बालों पर छिड़ी बहस

जापान में ट्रेंड कर रहा 'लेग हेयर हैरेसमेंट'

जापान में भीषण गर्मी के बीच पुरुष कर्मचारियों को ऑफिस में शॉर्ट्स पहनने की परमिशन दी गई. इसके बाद कुछ महिलाओं ने पुरुषों के पैरों के बालों को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्ति जताई और इसे 'लेग हेयर हैरेसमेंट' का नाम दे दिया.

जापान में इन दिनों एक ऐसा मामला चर्चा में है, जिसे सुनकर शायद आप भी हैरान रह जाए. यहां न किसी बड़े कानून को लेकर विवाद है और न ही किसी नई तकनीक को लेकर, बल्कि बहस छिड़ी है पुरुषों के पैरों के बालों को लेकर. सोशल मीडिया पर लोग इसे 'लेग हेयर हैरेसमेंट' यानी 'पैरों के बालों से होने वाली परेशानी' कह रहे हैं. यह मामला अब पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है. जापान में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है. कई शहरों में तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है. ऐसे में लोगों को गर्मी से राहत देने और एयर कंडीशनर का कम इस्तेमाल करने के लिए टोक्यो प्रशासन ने कर्मचारियों को ऑफिस में हल्के और आरामदायक कपड़े पहनने की सलाह दी है. इसी अभियान के तहत पुरुष कर्मचारियों को पहली बार ऑफिस में शॉर्ट्स पहनकर आने की भी परमिशन दी गई. यह कदम कर्मचारियों को गर्मी से बचाने और बिजली की बचत करने के लिए उठाया गया है. यह पहल जापान के लंबे समय से चल रहे 'कूल बिज' अभियान का हिस्सा है. जैसे ही पुरुष शॉर्ट्स पहनकर ऑफिस आने लगे, सोशल मीडिया पर कुछ महिलाओं ने अपनी नाराजगी जाहिर करनी शुरू कर दी.

कुछ पुरुषों ने निकाला नया तरीका

इस बहस के बाद जापान में कुछ पुरुषों ने एक अलग रास्ता अपनाया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई लोग लेजर हेयर रिमूवल कराने लगे हैं, ताकि अगर वे शॉर्ट्स पहने तो पैरों के बाल दिखाई न दें और किसी को आपत्ति न हो. इसे कुछ लोग ऑफिस एटीकेट यानी वर्क कल्चर हिस्सा भी मान रहे हैं. असल में यह विवाद सिर्फ पैरों के बालों का नहीं है.

पहले लिफ्ट देता, फिर सिर काट देता था किलर

ऑस्ट्रेलिया के सबसे खूंखार सीरियल किलर्स में गिने जाने वाले इवान मिलाट का नाम आज भी लोगों के रोंगटे खड़े कर देता है. वह पहले सड़क पर लिफ्ट मांग रहे युवाओं को अपनी कार में बैठाता था, फिर उन्हें जंगल में ले जाकर बेरहमी से मार डालता था. उसके कई शिकारों के सिर काट दिए गए, कई को गोली मारी गई और शवों को उथली कब्रों में दफना दिया गया. लेकिन एक शख्स की किस्मत अच्छी थी, जो उसके चंगुल से जिंदा बच निकला.

अब 'स्लीपिंग पॉड्स' में लीजिए आरामदायक नींद!

लंबी फ्लाइट के बाद अगर अगली उड़ान के लिए कई घंटे एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़े, तो सबसे ज्यादा जरूरत आराम की महसूस होती है. लेकिन एयरपोर्ट की कुर्सियों पर लेटना या किसी कोने में बैग संभालते हुए झपकी लेना न तो आरामदायक होता है और न ही सुरक्षित. यही वजह है कि दुनिया के कई बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब यात्रियों के लिए स्लीपिंग पॉड यानी छोटे आरामदायक कैप्सूल उपलब्ध करा रहे हैं.

इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसे स्लीपिंग पॉड्स के वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं. ट्रैवल यूट्यूबर 'लाउंज गुरु' ने तुर्किये के इस्तांबुल एयरपोर्ट के स्लीपिंग पॉड का वीडियो शेयर किया था. उन्होंने बताया कि उनकी फ्लाइट 4 घंटे लेट थी, इसलिए उन्होंने दो घंटे के लिए स्लीपिंग पॉड बुक किया. वह अक्सर अलग-अलग देश जाते हुए ऐसी वीडियो शेयर करते रहते हैं और स्लीपिंग पॉड और एयरपोर्ट व फ्लाइट में मिलने वाली अन्य सुविधाओं की जानकारी देते हैं.

लाखों रुपये देकर 'एक्स' को पाने की सनक

ब्रेकअप के बाद ज्यादातर लोग दोस्तों और परिवार का सहारा लेते हैं या फिर समय के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं. लेकिन चीन में एक अलग ही ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है. यहां कई लड़कियां अपने एक्स बॉयफ्रेंड को वापस पाने के लिए हजारों नहीं, बल्कि लाखों रुपये तक खर्च कर रही हैं.

इसके लिए वे खुद को 'रिलेशनशिप कोच' बताने वाले लोगों की मदद ले रही हैं, जो दावा करते हैं कि उनकी सलाह मानने पर 90% तक मामलों में एक्स के साथ दोबारा रिश्ता जुड़ सकता है. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की 28 साल की एक महिला, जिसने अपनी पहचान छिपाने के लिए 'वान' नाम का इस्तेमाल किया,

उसने बताया कि उसने अपने एक्स बॉयफ्रेंड को वापस पाने के लिए एक रिलेशनशिप कोच को 3,500 युआन (करीब 40 हजार रुपये) दिए. इसके बदले उसे एक महीने तक 24 घंटे सलाह और गाइडेंस देने का वादा किया गया. हालांकि, कई मामले में यह फीस 3000 डॉलर यानी 3 लाख रुपये तक चली जाती है. वान ने बताया कि शुरुआत में कोच ने करीब 90 मिनट तक मुफ्त फोन पर बात की. इस दौरान उसे समझाया गया कि उसका रिश्ता इसलिए नहीं टूटा क्योंकि उसका बॉयफ्रेंड उससे प्यार नहीं करता था, बल्कि इसलिए क्योंकि वह बहुत असुरक्षित महसूस करती थी और यही बात रिश्ते पर भारी पड़ गई.

'दालिंब' में दिखा जितेंद्र कुमार का सबसे डरावना अवतार

बिना डायलॉग के टीजर ने बढ़ाई सस्पेंस की धड़कन

'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार अब तक पर्दे पर कई तरह के किरदार निभा चुके हैं और अब अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह एक नए अवतार में नजर आने वाले हैं। पिछले दिनों ही इस फिल्म से जितेंद्र कुमार का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया गया था और अब इसका टीजर भी जारी कर दिया गया है, जिसे देखने के बाद जितेंद्र कुमार के फैंस की खुशी का ठिकाना ही नहीं है। 'दालिंब' में जितेंद्र कुमार बिना एक शब्द कहे काफी कुछ कह जाते हैं। जितेंद्र कुमार अब साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'दालिंब' में दिखाई देंगे, जिसका टीजर रिलीज हो चुका है और खास बात तो ये है कि ये फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। 'दालिंब' के टीजर की शुरुआत एक बच्ची के साथ होती है और उसके बाद जितेंद्र कुमार नजर आते हैं। फिर बच्ची और जितेंद्र कुमार दोनों एक साथ डरे-सहमे से दिखाई देते हैं। इस टीजर में कहने को तो एक भी डायलॉग, एक भी शब्द नहीं है, लेकिन बिना कुछ कहे ही ये टीजर बहुत कुछ कह जाता है और शरीर में सिहरन पैदा कर देता है। टीजर में जितेंद्र कुमार एक दम अलग अवतार में नजर आ रहे हैं। अब तक जितेंद्र ने पर्दे पर हल्के-फुल्के किरदार ही निभाए हैं, लेकिन इस बार वह कुछ अलग आजमाने वाले हैं, जिसे लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। 'दालिंब' का टीजर जारी होने के बाद अब सोशल मीडिया यूजर्स का भी इस पर रिस्पॉन्स आना शुरू हो गया है। एक

ने जितेंद्र कुमार के अभिनय की तारीफ करते हुए लिखा- 'जितेंद्र कुमार जिस तरह की बहुमुखी प्रतिभा दिखा रहे हैं, वह वाकई कमाल है। ये एक मास्टरपीस होने वाली है।' वहीं एक ने लिखा- 'सबकी नजरें सिर्फ जीतू भैया (जितेंद्र कुमार) पर हैं।' एक ने मजाकिया अंदाज में लिखा - 'अरे जीतू भैया, आप किस लाइन में घुस रहे हैं। मगर जो भी है, कमाल है। ये टीजर रोंगटे खड़े कर रहा है।' वहीं कई ने इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर के टीजर को देखने के बाद अभी से इसे अपनी वॉचलिस्ट में शामिल करने की बात कही है।जितेंद्र कुमार के वर्क फ्रंट की बात करें तो 'दालिंब' के अलावा वह 'मिर्जापुर' में भी दिखाई देंगे। वेब सीरीज के तौर पर दर्शकों के बीच अब मेकर्स 'मिर्जापुर द मूवी' लेकर आ रहे हैं जो बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। 'मिर्जापुर द मूवी' में जितेंद्र कुमार ने विक्रांत मैसी की जगह ली है। यानी वह इस फिल्म में 'बबलू' का किरदार निभाते नजर आएंगे। एक तरफ कुछ दर्शक हैं जो इस बदलाव को लेकर खुश हैं तो वहीं कुछ निराशा जाहिर कर रहे हैं। इसके अलावा जितेंद्र कुमार 'पंचायत 5' में भी दिखाई देंगे।

यूपी चुनाव 2027 में चिराग की बड़ी एंट्री 403 सीटों पर तैयारी से बदला सियासी समीकरण

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने राज्य की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी का ऐलान किया है। पार्टी दलित, महादलित और अति पिछड़ा वोट बैंक को साधकर यूपी की राजनीति में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बार यूपी के चुनावी समर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हनुमान' कहे जाने वाले चिराग पासवान की पार्टी-लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) भी उतरने की पूरी तैयारी में है। पार्टी उत्तर प्रदेश में लगातार अपनी सक्रियता बढ़ा रही है और चुनावी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुटी है। चिराग पासवान की पार्टी ने उत्तर प्रदेश चुनाव में उतरने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। इसी सिलसिले में लोजपा (रामविलास) के सांसद अरुण भारती इन दिनों यूपी के संगठनात्मक दौरे पर हैं। वाराणसी में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक अहम बैठक के दौरान उन्होंने चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। लोजपा सांसद ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि LJP(R) केंद्र में एनडीए (NDA) का हिस्सा है, लेकिन यूपी में पार्टी ने सभी सीटों पर तैयारी का संदेश देकर हलचल बढ़ा दी है। पार्टी का यह कदम लोजपा (आर) को उत्तर प्रदेश की राजनीति की मुख्यधारा में लाकर दलित और महादलित वोट बैंक को एक नया विकल्प देने का प्रयास माना जा रहा है। पूर्वांचल और अवध के जिन इलाकों में पारंपरिक रूप से मुस्लिम-यादव या सवर्ण (ब्राह्मण-ठाकुर) समीकरण हावी रहे हैं, वहां चिराग पासवान 'पासवान-दुसाध' और अन्य अति पिछड़ी जातियों को गोलबंद कर नया सामाजिक समीकरण बनाने की कोशिश में हैं। बहुजन समाज पार्टी (BSP) के कमजोर पड़ने से खाली हुए राजनीतिक स्थान को भरने के लिए पूर्वांचल का महादलित वोट बैंक लोजपा (आर) का प्रमुख लक्ष्य है। वहीं, अवध क्षेत्र में कुर्मी और कोईरी समाज के साथ-साथ स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर पार्टी अपना जनाधार बढ़ाना चाहती है। vचिराग पासवान का यह कदम गठबंधन (NDA) के भीतर रणनीतिक दबाव बनाने के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि, पार्टी नेतृत्व का कहना है कि गठबंधन से जुड़े अंतिम फैसले का अधिकार केंद्रीय संसदीय बोर्ड के पास होगा, लेकिन सभी 403 सीटों पर तैयारी की घोषणा से भारतीय जनता पार्टी को यह स्पष्ट संदेश मिल गया है कि LJP(R) सम्मानजनक सीट-शेयरिंग के बिना पीछे नहीं हटेगी। इसके साथ ही, यह रणनीति विपक्षी वोटों में बिखराव का कारण भी बन सकती है। यदि चिराग पासवान अपनी इस रणनीति में सफल होते हैं, तो पूर्वांचल और अवध का राजनीतिक गणित पूरी तरह बदल सकता है। दलित और ईबीसी (EBC) का यह नया फॉर्मूला यूपी के आगामी चुनाव को बेहद दिलचस्प बनाने जा रहा है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर डिंपल यादव ने X पर किया पोस्ट 'प्यारे बच्चों, यह जीत आपकी है',

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। सपा सांसद डिंपल यादव ने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि प्यारे बच्चों, यह जीत आपकी है। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के लिए हम आपके साहस, दृढ़ संकल्प और लगन को सलाम करते हैं। साथ ही, मुझे इस बात का गहरा दुख है कि आपको इतना दर्द, उत्पीड़न, आघात और अपमान सहना पड़ा। देश को बदलाव की जरूरत है, ताकि जानबूझकर व्यवस्था में पनप रहे भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ा जा सके। देश समृद्ध हो सके और हमारे देश के युवाओं की आकांक्षाएं और सपने पूरे हो सकें। ढेर सारा प्यार।वहीं, अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल पर इलाहाबाद का एक वीडियो पोस्ट किया। जिसका उन्होंने कैप्शन लिखा, ये है जीत की मिठास! इलाहाबाद में छात्र सेवा करने वाले अपने सभी कार्यकर्ताओं की हम सराहना करते हैं। वहीं, आजमगढ़ शहर के कुर्मी टोला में दिवंगत सपा विधायक आलम बदी आजमी के शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में सरकार की पूरी परीक्षा प्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया।अखिलेश यादव ने कहा कि देश के युवाओं के संघर्ष और अभूतपूर्व एकजुटता के कारण ही केंद्र सरकार को अपना रुख बदलने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार को आखिरकार अपना फैसला बदलना ही था, तो उन्होंने पहले छात्रों से बात क्यों नहीं की? अगर समय रहते संवाद स्थापित कर लिया जाता, तो देश में अनावश्यक तनाव और आंदोलन की स्थिति पैदा ही नहीं होती।

लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बिल्डिंग पर बुलडोजर एक्शन लिया जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसको गिराने का काम शुरू

यूपी की राजधानी लखनऊ में पिछले महीने आग लगने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में अब एलडीए ने जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसको गिराने का काम शुरू कर दिया है। शनिवार सुबह भारी पुलिस बल तैनात किया गया और मौके पर बुलडोजर पहुंचे, जिसके बाद बिल्डिंग को गिराने की तैयारी शुरू कर दी गई। प्रशासन का कहना है कि बिल्डिंग मालिक को 15 दिन की नोटिस दी गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने के बाद अब एक्शन लिया जा रहा है।अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी (LDA) ने शनिवार को अलीगंज में आग से क्षतिग्रस्त बिल्डिंग को गिराने का काम शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई मालिक को दी गई 15 दिन की समय-सीमा खत्म होने के बाद की गई। समय-सीमा खत्म होने के कुछ ही देर बाद बुलडोज़र मौके पर पहुंच गए। इससे पहले अधिकारियों ने पहले यह जांचा कि इमारत के मालिक ने कितना हिस्सा पहले ही गिरा दिया है, और उसके बाद गिराने का काम शुरू हुआ। इस कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बता दें कि 22 जून को अलीगंज की इसी बिल्डिंग में भीषण आग लगी थी। इस दौरान यहां चल रहे एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में मौजूद 15 लोगों की मौत हो गई थी।वहीं, बिल्डिंग के मालिक एडवोकेट राजेंद्र प्रसाद शुक्ला ने इसे गिराने की कार्रवाई को "गैर-कानूनी" बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने नोटिस में दी गई समय-सीमा खत्म होने से पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने कहा, "यह गैर-कानूनी कार्रवाई है। नोटिस में 25 जुलाई तक की समय-सीमा दी गई थी। नोटिस के मुताबिक, मैं कार्रवाई करने आया था, लेकिन अलीगंज पुलिस स्टेशन से मुझे इजाजत नहीं मिली। मुझे सिर्फ 20 जुलाई को इजाजत मिली थी। मैं 20 जुलाई से ही इस पर काम कर रहा था और आज भी काम चल रहा था। उनके नोटिस के हिसाब से मेरे पास 25 जुलाई की शाम तक का समय था।"बिल्डिंग गिराने की कार्रवाई के समय पर सवाल उठाते हुए राजेंद्र प्रसाद शुक्ला ने आगे कहा, "यह कैसा न्याय है? यह लोकतंत्र है। वे अभी पूरी फ़ोर्स के साथ इसे गिराने आ गए हैं। अगर उन्हें मेरे द्वारा की गई कार्रवाई पर कोई आपत्ति थी, तो उन्हें 26 जुलाई को आना चाहिए था। वे समय से पहले क्यों आए? मुझे इस पर आपत्ति है।"

इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की बीच रात हथियार बंद बदमाशों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया

लखनऊ के इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की बीच रात करीब 2 बजे घर के अंदर छुपे हथियार बंद बदमाशों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। उन्होंने देर रात लॉकर तोड़ना शुरू किया। आवाज सुनकर परिवार के लोगों की नींद खुल गई। विरोध करने पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में परिवार के 3 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बजरंग चौराहे अमराई गांव निवासी उमेश चंद्र (55) घर में ही परचून की दुकान चलाते हैं। पिछले 3 साल से पत्नी शांति देवी के साथ रह रहे हैं। 3 दिन पहले बेटी सीमा घर आई थी। शुक्रवार रात सभी सदस्य खाना खाकर सो गए। अचानक से तोड़फोड़ की आवाज आने लगी। जिसकी आवाज सुनकर बेटी सीमा की आंख खुल गई। वह देखने गई तभी बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। बेटी की चीख सुनकर पिता दौड़ते पहुंचे। तभी घात लगाए बैठे बदमाश ने पीछे से उनके सिर पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार किए। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिरे और बेहोश हो गए। पत्नी शांति देवी की भी आंख खुल चुकी थी। उन्होंने शोर मचाने की कोशिश की तभी बदमाश ने उन पर भी हमला कर दिया। वह भी गश खाकर गिर गई। करीब 10 मिनट बाद पत्नी शांति को हल्का होश आया तो वह घर से बाहर निकाल कर शोर मचाना शुरू किया। इस पर मोहल्लेवाले व आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद रहीम नगर में रहने वाले बेटे दीपक गुप्ता व पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के करीब आधे घंटे बाद पुलिस पहुंची। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

युवाओं ने नारेबाजी के बीच मेलोडी टॉफियां बांटकर अपनी खुशी जाहिर की

नीट पेपर लीक के मुद्दे पर दिल्ली से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन ने देखते ही देखते पूरे देश में एक बड़े आंदोलन का रूप ले लिया। इसी के चलते उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इको गार्डन में शनिवार को बड़े आंदोलन का आगाज हुआ था, जिसे लेकर शनिवार सुबह से ही युवाओं की भीड़ जमा होने लगी थी। इस आंदोलन में शामिल होने के लिए नगीना सांसद चंद्रशेखर भी इको गार्डन पहुंच थे। इसी बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर मिलते ही इको गार्डन जश्न का मैदान बन गया। बता दें कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज और पेपर लीक विवादों के बीच CJP की तर्ज पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर हजारों युवा नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की अगुआई में प्रदर्शन करने पहुंचे थे। प्रदर्शन शुरू होने से ठीक पहले जैसे ही इस्तीफे की सूचना मिली, तो पूरा माहौल उल्लास में बदल गया और युवाओं ने नारेबाजी के बीच मेलोडी टॉफियां बांटकर अपनी खुशी जाहिर की।

बाद CJP का अगला निशाना यूपी, योगी सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) अब अपने आंदोलन को दिल्ली से आगे बढ़ाने की तैयारी में है। CJP पार्टी ने उत्तर प्रदेश का रुख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुली चुनौती दी है। CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने मंच से कहा कि यदि यूपी में पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियां नहीं रुकीं, तो पार्टी लखनऊ में भी इसी प्रकार से बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने मंच से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लेते हुए कहा कि अब यूपी में भी आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी युवाओं के मुद्दों को लेकर पीछे हटने वाली नहीं है और जरूरत पड़ी तो हजारों लोग लखनऊ पहुंचेंगे। रांका ने कहा कि अगर CM योगी यह वीडियो देख रहे हैं तो उन्हें चिंता करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री योगी थोड़े पेपर लीक रोक लीजिए अपने प्रदेश में, नहीं तो जितने लोग जंतर-मंतर पर हैं, उससे भी अधिक लोग उत्तर प्रदेश में आएंगे और आंदोलन करेंगे।कॉकरोच जनता पार्टी खुद को उन युवाओं की आवाज बताती है जो पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और रोजगार के मुद्दों से परेशान हैं। CJP पार्टी का कहना है कि अगर परीक्षाएं निष्पक्ष नहीं होंगी तो युवाओं का भविष्य लगातार प्रभावित होता रहेगा। दिल्ली में चल रहे आंदोलन के दौरान भी पार्टी ने इन्हीं मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था। CJP पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी ऐसे मामलों को लेकर CJP पार्टी जनता के बीच जाएगी।जंतर-मंतर पर आंदोलन के बाद पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी गतिविधियां बढ़ाने का फैसला किया है। संगठन का कहना है कि वह राज्य में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेगा और युवाओं को जोड़ने का अभियान भी चलाएगा। इस ऐलान के बाद राज्य में पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं का मुद्दा फिर चर्चा में आ सकता है। पार्टी की मौजूदगी फिलहाल सोशल मीडिया पर अधिक दिखाई देती है। इसके अलावा शहरी इलाकों में भी संगठन अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। CJP लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और प्रयागराज जैसे शहरों में अपनी गतिविधियां तेज कर सकती है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर उन्नाव में सपा का जश्न मिठाई बांटकर इसे युवाओं की जीत बताया

उन्नाव में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार करते हुए मिठाइयां बांटी और इसे छात्रों के संघर्ष तथा लोकतांत्रिक जनदबाव की जीत बताया। शनिवार शाम शुक्लागंज के पोनी रोड पर आयोजित कार्यक्रम में सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व सपा के जिला सचिव शुभ गुप्ता ने किया, जहां उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस घटनाक्रम का स्वागत किया।सपा नेताओं का कहना था कि पिछले कई दिनों से देशभर में छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। पार्टी ने भी लगातार छात्रों के मुद्दों को उठाया और दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। सपा ने आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज की भी आलोचना की थी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभ गुप्ता ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा युवाओं के धैर्य, संघर्ष और लोकतांत्रिक तरीके से किए गए आंदोलन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि

जब देशभर के छात्र अपने भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को लेकर एकजुट होकर आवाज उठाते हैं, तो सरकार को भी उनकी मांगों पर विचार करना पड़ता है। उनके मुताबिक, यह घटनाक्रम लोकतंत्र की ताकत और युवाओं की एकजुटता का उदाहरण है।शुभ गुप्ता ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है और छात्रों की आवाज को बल प्रयोग या दमन के जरिए दबाने का प्रयास उचित नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और प्रतियोगी परीक्षाओं पर छात्रों का भरोसा मजबूत बना रहे।कार्यक्रम के दौरान छात्रों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने छात्र एकता के समर्थन में नारे भी लगाए। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और निष्पक्ष परीक्षाओं की मांग दोहराई। इस मौके पर हिमांशु गौतम, उदय गौतम, यश रॉय, अवनीश द्विवेदी, सुजल साहू, आशीष गौतम, वैभव पांडेय, कृष्ण गौतम, पप्पू, गुड्डू सहित बड़ी संख्या में छात्र, स्थानीय कार्यकर्ता और सपा समर्थक मौजूद रहे।सपा नेताओं ने कहा कि युवाओं से जुड़े मुद्दों को आगे भी प्रमुखता से उठाया जाएगा और शिक्षा तथा रोजगार के सवालों पर पार्टी लगातार आवाज बुलंद करती रहेगी। उनके अनुसार, छात्रों के हितों की रक्षा और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में यह घटनाक्रम एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत उपहारों को लेकर एक नया विवाद

उन्नाव में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत नवविवाहित जोड़ों को दिए गए उपहारों को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। शनिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें तेजी से वायरल हुईं, जिनमें उपहार में मिले गद्दों पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के चुनाव चिन्ह और झंडे जैसी प्रिंटिंग दिखाई दे रही है। तस्वीरें सामने आने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।समाज कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार को अचलगंज थाना क्षेत्र में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें कुल 459 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ, जिनमें 457 हिंदू और दो मुस्लिम जोड़े शामिल थे। शासन की ओर से नवदंपतियों को घरेलू उपयोग की विभिन्न सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई थी। इन्हीं उपहारों में शामिल गद्दों की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। वायरल तस्वीरों में गद्दों पर हरे-सफेद रंग की प्रिंटिंग के साथ टीएमसी के झंडे और चुनाव चिन्ह से मिलती-जुलती आकृतियां होने का दावा किया जा रहा है। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद लोगों ने उपहार सामग्री की खरीद प्रक्रिया और उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि गद्दों पर बनी प्रिंटिंग वास्तव में किसी राजनीतिक दल के झंडे का हिस्सा है या किसी कंपनी का सामान्य डिज़ाइन। इस संबंध में प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है।मामले पर जिलाधिकारी उन्नाव और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हो सका। इस कारण प्रशासन का पक्ष सामने नहीं आ पाया है।

अनिल सिंह ने कहा 72 वर्ष हो चुकी है और इस उम्र में भूल जाना स्वाभाविक है

गोंडा के पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह के हालिया बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी के भीतर बयानबाजी तेज हो गई है।पुरवा विधानसभा से भाजपा विधायक अनिल सिंह ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में ब्रजभूषण शरण सिंह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी उम्र 72 वर्ष हो चुकी है और इस उम्र में भूल जाना स्वाभाविक है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़े जाने को लेकर मुख्यमंत्री ने जो कहा है, वह पूरी तरह सही है। अनिल सिंह ने कहा कि ब्रजभूषण शरण सिंह को किसी भी विषय पर सार्वजनिक बयान देने से पहले तथ्यों पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो कहा है, वह बिना तथ्यों के नहीं कहा होगा, जबकि ब्रजभूषण शरण सिंह का बयान पूरी तरह गलत है। भाजपा विधायक ने कहा कि यदि ब्रजभूषण शरण सिंह खुद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बड़ा नेता मानते हैं तो यह अलग बात है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी की उम्र लगभग 55 वर्ष है, जबकि ब्रजभूषण शरण सिंह 72 वर्ष के हैं। ऐसे में उम्र के इस पड़ाव पर स्मरण शक्ति कमजोर होना स्वाभाविक है। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रजभूषण शरण सिंह पार्टी के वरिष्ठ नेता और बड़े भाई की तरह हैं, लेकिन संभव है कि उन्हें घटना याद न हो। अनिल सिंह ने दावा किया कि हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़े जाने की घटना का रिकॉर्ड उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बयान तथ्यों पर आधारित है और इस मामले में ब्रजभूषण शरण सिंह का दावा सही नहीं है। अनिल सिंह ने आरोप लगाया कि ब्रजभूषण शरण सिंह को हर मुद्दे पर बोलने की आदत हो गई है, चाहे मामला पार्टी का हो या किसी अन्य विषय का। उन्होंने कहा कि इसी वजह से अब उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

कई दिनों से उमस भरी गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत मिली

उन्नाव में शनिवार दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव आया। लगभग तीन बजे आसमान में घने बादल छा गए और झमाझम बारिश शुरू हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक हुई इस वर्षा से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों का मौसम पूरी तरह बदल गया। पिछले कई दिनों से उमस भरी गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत मिली और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। शनिवार सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई थी। दोपहर तक धूप और बादलों के बीच लुकाछिपी का दौर चला। लगभग तीन बजे अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कुछ स्थानों पर हल्की तो कहीं मध्यम वर्षा दर्ज की गई, जिससे शहर की सड़कों पर पानी भर गया और राहगीरों को कुछ देर के लिए असुविधा का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले तीन दिनों में जिले में लगभग 61 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। लगातार हो रही इस बारिश का लाभ किसानों को भी मिल रहा है। धान, मक्का, बाजरा और अन्य खरीफ फसलों के लिए यह वर्षा लाभदायक सिद्ध हो रही है। खेतों में पर्याप्त नमी बनने से सिंचाई की आवश्यकता कम हो गई है। वर्षा के कारण वातावरण में फैली धूल बैठ गई, जिससे हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ। गर्मी कम होने से बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ी है। हालांकि, कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी देखी गई, जिसके कारण वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ी।

डीएम घनश्याम मीणा और एसपी जयप्रकाश सिंह ने आगामी कांवड़ यात्रा और संभावित बाढ़ की तैयारियों का निरीक्षण किया

उन्नाव के आनंद घाट पर शनिवार दोपहर डीएम घनश्याम मीणा और एसपी जयप्रकाश सिंह ने आगामी कांवड़ यात्रा और संभावित बाढ़ की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान एडीएम सुशील कुमार गोंड और एसडीएम राजेश विश्वकर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने नाव से गंगा के तटीय क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात और कटान रोधी उपायों का जायजा लिया।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर मजबूत बैरिकेडिंग, अस्थायी कंट्रोल रूम, पर्याप्त पुलिस बल और स्वयंसेवकों की तैनाती के निर्देश दिए। घाटों पर प्रॉपर लाइटिंग, मोबाइल टॉयलेट और महिलाओं के लिए अलग चेंजिंग रूम बनाने को कहा गया। गोताखोर मोहल्ला और मिश्रा घाट जैसे कटान संभावित इलाकों में सिंचाई विभाग को समय रहते काम पूरा करने के निर्देश दिए गए। कटान रोकने के लिए जियोबैग और पोरक्यूपाइन लगाने का काम तेज़ी से पूरा करने को कहा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कांवड़ यात्रा को सुगम बनाने और संभावित बाढ़ से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

उन्नाव में एक महिला ने अपने तीसरे पति को आग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई

उन्नाव में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। एक महिला ने अपने तीसरे पति को जलाकर मार डाला। पुलिस ने मृतक की बेटी की तहरीर पर उसकी सौतेली मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रही है। घटना सदर कोतवाली के कल्याणी मोहल्ले की बताई जा रही है। मृतक हृदेश तिवारी उम्र 56 वर्ष की बेटी सोनम का आरोप है की हमारे पिता ने रानू नामक महिला से अक्टूबर 2024 में तीसरी शादी की थी। सोनम का आरोप है की पिता ने जिस रानू नामक महिला से कोर्ट मैरिज की थी। वह शादी के बाद ही पिता को ब्लैकमेल करने लगी थी और वह हमेशा पैसा और प्रापर्टी की मांग करती थी। हमारे पिता ने उसे आधा बिस्वा प्लाट देने के लिए कह भी दिया था। सोनम ने कहा की गुरुवार के दिन प्लाट की रजिस्ट्री होनी थी। हमारी सौतेली मां ने अपनी मायके के लोगों को बुलाया था। दोपहर में जब हमारे पिता बाथरूम गए तो सौतेली मां और उनके परिजनों ने पिता के ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दिया। जब लोगों ने पिता को जलते देखा तो वह भी आग बुझाने का नाटक करने लग गई। आनन फानन में परिजन पिता को लेकर जिला अस्पताल गए, जहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। आरोपी महिला रानू ने बताया की हमारी दो साल पहले हृदेश तिवारी से शादी हुई थी, उन्होंने हमको एक प्लाट देने का वायदा किया था और गुरुवार को उसकी लिखापढ़ी होनी थी। लिखापढ़ी के लिए निकलते समय हमारे पति बाथरूम गए थे। थोड़ी देर के बाद वह जलते हुए बाथरूम से निकले थे। उनको जलता देख हम भी आग बुझाने लगे, जिसके कारण हम भी झुलस गए। फिलहाल महिला जिला अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है। सोनम का कहना है कि हमारी मां की 2023 में मौत हो गई थी उसके बाद पिता ने रानू से शादी की थी। सोनम बताया की रानू ने हमारे पिता से तीसरी शादी की थी, जिसमें एक पति की डेथ हो गई थी और एक पति महिला को छोड़कर कहीं चला गया था और वापस नहीं लौटा। सोनम ने कहा की उसके बड़े बड़े बच्चे है, जिसमें बेटी शादी के लायक हो गई है। उसने हमारे पिता से केवल पैसा और प्रापर्टी के खातिर ही शादी की थी।

'भाजपा को आखिरकार झुकना पड़ा', धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अखिलेश का बड़ा हमला

अखिलेश यादव ने देश की मौजूदा परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधार की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश में परीक्षाओं की पूरी व्यवस्था को इतना अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए जिससे भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह से लगाम लग सके।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद देश की राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने शिक्षा मंत्री के पद छोड़ने को सीधे तौर पर देश के युवाओं की एक बहुत बड़ी और ऐतिहासिक जीत करार दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को अब यह अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि उसे शिक्षा और परीक्षाओं के अहम मुद्दे पर बहुत ही गंभीरता के साथ विचार करने की सख्त जरूरत है।सपा प्रमुख ने जंतर-मंतर और देश-भर में चले युवाओं के आंदोलन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम और आंदोलन से सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि भविष्य में किसी भी परीक्षा का कोई पेपर कभी लीक नहीं होना चाहिए। आज की युवा पीढ़ी ने बिना किसी राजनीतिक दल के सीधे समर्थन के अपने दम पर ऐसे नारे और पोस्टर तैयार किए जिनसे देश का हर एक नौजवान खुद-ब-खुद जुड़ता चला गया। खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहने वाली भाजपा को आखिरकार झुकना पड़ा। यह देश के युवाओं की बड़ी जीत है।"अखिलेश यादव ने देश की मौजूदा परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधार की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश में परीक्षाओं की पूरी व्यवस्था को इतना अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए जिससे भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह से लगाम लग सके। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि युवाओं के सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें रोजगार और नौकरियां उपलब्ध कराने की दिशा में भी बिल्कुल साफ और स्पष्ट रास्ते खोले जाने चाहिए ताकि देश का युवा बिना किसी डर और हताशा के अपने जीवन में आगे बढ़ सके। इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने एक लेटर जारी किया है। जिसमें कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए मैं उनका आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने आगे जोड़ा कि किंतु 3 मई 2026 को हुई NEET-UG की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पीड़ादायी थी। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले साल से इस परीक्षा को सीबीटी (Computer-Based-Test) मोड में करने का निर्णय लिया गया।अपने लेटर में शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए Whole of Government Approach के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही, छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई। पहले ही दिन से, इसपर मैंने जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर उनकी सरकार के समय छात्रों के शोषण का आरोप लगाया

दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देश के अलग-अलग शहरों में पेपर लीक के मुद्दे पर जारी प्रदर्शन के बीच यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के सामने अंधकारमय जीवन दिया था, पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, आज वो कांग्रेस और समाजवादी पार्टी किस तरह घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।सीएम योगी ने आगे कहा, "नौजवान की नौकरी पर सैफई सिंडिकेट डकैती डालता था, एक नौकरी निकलती थी तो उस के लिए चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली करने निकल जाती थी। 2012 से 2017 के बीच जितनी भर्तियां निकलीं सब विवादित निकलीं। कहीं भी मेरिट का ख्याल नहीं रखा गया और कहीं योग्य लोगों को नौकरी नहीं मिली।"मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के एजेंडे में कभी विकास नहीं रहा। इसीलिए वे कहीं आगे नहीं बढ़ पाते। वे सब बेरोजगारों की तरह घूम रहे हैं क्योंकि उनके धंधे जैसे कॉन्ट्रैक्ट, लीज और जमीन पर अवैध कब्जा सब ठप हो गए हैं। इसीलिए सपा निराशा और मायूसी में डूबी हुई है। उनके लिए कोई जगह नहीं बची है। पहले वे किसी भी खाली जमीन या प्लॉट पर कब्जा कर लेते थे। इस संबोधन से पहले मुख्यमंत्री योगी ने आज फतेहपुर, जालौन और आगरा के तमाम विधान सभा क्षेत्रों के लिए 2 हजार 105 करोड़ से ज्यादा लागत की 552 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही, तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, स्वीकृति-पत्र किट एवं चेक बांटे। इससे पहले सीएम योगी ने शामली के लोगों को 581 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी थी।

सिंदुरवा रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के 7 वैगन पटरी से उतर गए

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में 25 जुलाई की सुबह एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया। अमेठी के सिंदुरवा रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह इंडोरामा उर्वरक इकाई की साइडिंग पर खाद लेकर जा रही मालगाड़ी के सात वैगन सुबह करीब पांच बजे पटरी से उतर गए। राहत की बात रही कि कोई वैगन पलटा नहीं और चालक ने तुरंत ट्रेन रोक दी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। मालगाड़ी के 7 डिब्बे पटरी से उतरने की सूचना मिलने के साथ रेलवे के इंजीनियरिंग, परिचालन विभाग और आरपीएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई।अमेठी में शनिवार सुबह मालगाड़ी के 7 डिब्बे पटरी से उतरने की सूचना मिलने के बाद अधिकारियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर ट्रैक बहाली का कार्य शुरू कराया। हादसे में साइडिंग ट्रैक क्षतिग्रस्त होने से इंडोरामा इकाई में मालगाड़ियों की आवाजाही और खाद की लोडिंग प्रभावित हुई है। आरपीएफ निहालगढ़ के उपनिरीक्षक रमेश कुमार और स्टेशन अधीक्षक अमित कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद ही संचालन बहाल किया जाएगा। बता दें कि ट्रेन जैसे ही इंडोरामा साइडिंग के पास पहुंची अचानक अनियंत्रित हो गई और उसके 7 डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए। हादसे के समय ट्रेन की गति धीमी होने से लोको पायलट को इसे नियंत्रित करने में अधिक समय नहीं लगा और सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन को ब्रेक लगाकर रोक लिया। वहीं रेलवे प्रशासन इस घटना के कारणों की जांच में जुट गया है।कुछ दिनों पहले गाजियाबाद और नई दिल्ली रेल मार्ग रूट पर यहां से गुजर रही एक सामान से लदी मालगाड़ी के छह डिब्बे अचानक पटरी से उतर गए थे, जिसमें राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि, सुबह के व्यस्त समय में हुए इस हादसे के कारण इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हो गई थी। रेलवे प्रशासन द्वारा स्थिति से निपटने के लिए यातायात में बदलाव किए थे। मार्ग बाधित होने के कारण 24 ट्रेनों को दिल्ली-नई दिल्ली के वैकल्पिक रास्ते से डायवर्ट किया गया था।

पत्नी की हत्या कर शव यमुना में फेंकने के दोषी पति और उसकी साली को आजीवन कारावास सुनाया

कानपुर के रैना थाना क्षेत्र में करीब दो वर्ष पहले हुई विवाहिता की हत्या के मामले में कानपुर देहात एडीजे-6 (एंटी डकैती) कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने महिला की हत्या के दोषी पति और उसकी साली को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अदालत ने अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर दोनों को दोषी करार दिया। मामला रैना थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार, रैना के कटरी निवासी शैलेंद्र उर्फ शैलेश की शादी अप्रैल 2017 में फतेहपुर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र के भागलपुर गांव निवासी सुनेना से हुई थी। शादी के बाद दोनों का वैवाहिक जीवन सामान्य चल रहा था, लेकिन इसी बीच शैलेंद्र के अपनी साली मैना देवी से अवैध संबंध हो गए। बताया गया कि सुनेना इस रिश्ते का लगातार विरोध करती थी। इसी बात से नाराज होकर शैलेंद्र ने मैना देवी के साथ मिलकर पत्नी की हत्या की साजिश रची और उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद सबूत मिटाने के इरादे से शव को यमुना नदी में फेंक दिया गया।हत्या के बाद आरोपी पति ने अपने ससुर रामबाबू को पत्नी के गायब होने की सूचना दी। शुरुआत में मामला गुमशुदगी का लगा, लेकिन परिजनों को शक होने पर उन्होंने बेटी की तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो पिता ने दहेज और हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस जांच के दौरान 5 फरवरी 2024 को महिला का शव यमुना नदी से बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने हत्या, साक्ष्य मिटाने और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमे की विवेचना आगे बढ़ाई।